Download From Www.edudesire.com

राजस्व विभाग, उ0 प्र0

लेखपाल भर्ती परीक्षा –2017-18

SYLLABUS

पाठ्यक्रम

न्यूनतम (शैक्षिक अहर्ता) : 12 intermediate तथा समकक्ष

निम्न पाठ्यक्रम केवल सूचक (INDICATIVE) के लिए हैं

परीक्षा की योजनाः– परीक्षा में एक स्तर

(1) वस्तुनिष्ठ प्रकार की लिखित परीक्षा

वस्तुनिष्ठ परीक्षा

वस्तुनिष्ठ परीक्षा के लिए निर्धारित विषयः–

परीक्षा में एक वस्तुनिष्ठ प्रश्नप्रत्र होगा जिनके उत्तर पत्रक ओ0एम0आर0 शीट के रूप में होंगे। परीक्षा की योजना व पाठ्यक्रम निम्नानुसार है –

वस्तुनिष्ठ प्रश्न पत्र 80 अंको का होगा जिसमें 100 प्रश्न होगें। इस प्रश्न पत्र में कुल चार भाग होगें –

1–सामान्य हिन्दी	25 प्रश्न	25 अंक
2–गणित	25 प्रश्न	25 अंक
3–सामान्य ज्ञान	25 प्रश्न	25 अंक
4–ग्राम समाज एवं विकास	25 प्रश्न	25 अंक

वस्तुनिष्ठ परीक्षा का पाठ्यक्रम निम्नवत् है –

1– **सामान्य हिन्दी**

अलंकार, रस, ; समास, ; पर्यायवाची, ; विलोम, ; तत्सम एवं तद्भव, ; संधियां,; वाक्यांशों के लिये एक शब्द निर्माण, लोकोक्तियां एवं मुहावरे, ; वाक्य संशोधन– लिंग, वचन, कारक, काल, वर्तनी, त्रुटि से संबंधित, ; अनेकार्थी शब्द।

2– गणित

अंकगणित एवं सांख्यिकी – संख्या पद्धति, प्रतिशतता, , लाभ–हानि, सांख्यिकी
आंकड़ों का वर्गीकरण, बारम्बारता, बारम्बारता बंटन, सारणीयन, संचयी बारम्बारता । आंकड़ों का निरूपण, दण्ड चार्ट, पाई चार्ट, आयत चित्र, बारम्बारता बहुभुज। केन्द्रीय माप–समान्तर माध्य, माध्यिका एवं बहुलक।

बीजगणित
लघुत्तम समापवर्त्य एवं महत्तम समापवर्त्य और उनमें संबंध, युगपत समीकरण, द्विघात समीकरण, गुणन खंड, क्षेत्रफल प्रमेय।

रेखागणित
त्रिभुज संबंधी पाइथागोरस प्रमेय, त्रिभुज, आयत, वर्ग, समलम्ब, समान्तर, समचतुर्भुज के परिमाप तथा क्षेत्रफल, वृत्त की परिधि एवं क्षेत्रफल।

3– सामान्य ज्ञान

सामान्य विज्ञान, राष्ट्र तथा अर्न्तराष्ट्रीय महत्व की समायिक घटनायें, भारत का इतिहास भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन, भारतीय राज्यव्यवस्था तथा अर्थव्यवस्था, विश्व भूगोल तथा जनसंख्या, सामान्य विज्ञान के प्रश्न, दैनिक अनुभव तथा प्रेक्षण से सम्बन्धित विषयों सहित विज्ञान के सामान्य प्रबोध एवं जानकारी पर होंगे, जिसकी किसी भी सुशिक्षित व्यक्ति से अपेक्षा की जा सकती है, जिसने किसी वैज्ञानिक विषय का अध्ययन नहीं किया हो।

4– ग्राम समाज एवं विकास

ग्राम विकास भारतीय संदर्भ में, ग्राम विकास कार्यक्रम, ग्राम विकास योजनायें एवं प्रबन्धन, ग्राम विकास शोध प्रणालियॉ, ग्रामीण स्वास्थ्य योजनाऐं, ग्रामीण समाजिक विकास, ग्राम विकास और भूमि सुधार।